सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 235 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 1 अक्टूबर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

और क्या कभी यह जाना गया है कि प्रेम स्वयं अपनी गहराई जानता है जब तक कि बिछड़ने का वक्त ना आये?
-खलील जिब्रान

कानून सभी धर्मों के लिए एक... 8 | देश में कमजोर पड़ रही है... 3 | दिल्ली बॉर्डर पर सोनम वांगचुक... 2

इस महीने भी 4PM बना देश में नम्बर वन चैनल

व्यूज की संख्या 137.7 मिलियन पर पहुंची

» दिग्गज यूट्यूब चैनलों को पीछे छोड़ा

» सोशल मीडिया एक्स पर भी चाहने वालों में लोकप्रिय हुए संपादक संजय शर्मा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उपलब्धियों के संसार में अपना परचम लहराने के क्रम में 4 पीएम यूट्यूब चैनल ने एक और आसमान को छू लिया है। इसबार जनता के बीच लोकप्रिय चैनल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर ट्रेंड करने के मामले में सबको पीछे छोड़ दिया।

वहीं व्यूज के मामले में 4पीएम ने देश में नंबर एक का स्थान हासिल कर लिया है। अपनी बेबाक राय व सत्ता से सवाल पूछने की आदत से मीडिया में अलग छवि बनाने वाले इस चैनल ने हाल ही में अपने सब्सक्राइबरों की संख्या साठ लाख पार करने का जश्न भी माया था।

हजारों लोगों ने ट्वीट करके 4PM की सराहना की

अभी हाल ही में कुछ खबरों को लेकर संपादक संजय शर्मा आलोचना के शिकार बने थे। पर अपने तीखे तेवरों से एकबार फिर सत्ता की चूले हिलाने वाली खबरों के दम पर वह लोगों के बीच लोकप्रियता के शिखर पर पहुंच गए हैं। एक्स पर उनके चाहने वालों ने उन्हें ट्रेंड करते हुए बड़े-बड़े सेलीब्रेटियों को पछाड़ दिया है।

एक्स पर ट्रेंड कर रहे हैं संजय शर्मा

60 लाख सब्सक्राइबर पूरे होने पर मना था जश्न

अभी हाल में 60 लाख सब्सक्राइबर पूरे होने का जश्न 4पीएम ने मनाया था। इसी समय 4पीएम म्यूजिक लॉचिंग के अवसर पूरे भारत से नामीगिरामी लोग अदब के शहर लखनऊ की सरजमीं पर शामिल हुए थे। मुख्य अतिथि पूर्व सीएम व सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया था। उन्होंने इस अवसर पर 4पीएम के साथ अपने अनुभव साझा किए उन्होंने कहा कि 4पीएम इकलौता मीडिया हाउस है जो नॉट फॉर पीएम है। बाकी सब के बारे में सबको पता है। इस अवसर पर फिल्म निर्देशक अविनाश दास ने कहा था कि मीडिया आज अपने रास्ते से भटक गया है वह बस सत्ता का गुणगान कर रहा हे जो लोकतंत्र के लिए घातक है। वहीं फिल्म अभिनेत्री स्वरा भाष्कर ने कहा था कि आज के दौर में सच्चाई न दिखाना ही आगे बढ़ने का माध्यम बन गया है जो अनुचित है। सभी ने इस अवसर पर 4पीएम के सच दिखाने के जिद की खुले मन से तारीफ की थी। इस अवसर पर चैनल कर्मियो को भी पुरस्कृत किया गया था।

4PM ने फिर छुआ आसमान

व्यूज शेयरिंग 9 प्रतिशत पहुंचा

4पीएम यूट्यूब चैनल अभी अगस्त के महीने में व्यूज व व्यूज शेयर के मामले में भी अव्वल स्थान पर पहुंच गया है। 29 सितंबर को जारी आंकड़ों में 4 पीएम की व्यूज की संख्या 137.7 मीलियन के ऊपर पहुच गई है। व्यूज शेयर 9 प्रतिशत हो गई है। दूसरे नंबर पर एनएमएफ न्यूज है उसके 129.9 मीलियन व्यूज व शेयरिग 9 प्रतिशत है जबकि तीसरे स्थान पर अभिसार शर्मा रहे। उनके व्यूज की संख्या 109.4 मीलियन व शेयरिग 7 फीसद है।

Top Political Commentators on YouTube - Views Market Share (August 2024)

Excl. mainstream media. View count as of Sep 29 for August uploaded videos only

databeings

Colors indicate political leaning

Rank	Channel	#Views (Million)	Views Share	Rank	Channel	#Views (Million)	Views Share
1	4PM	137.7	9%	16	All India News	35.0	2%
2	NMF News	129.9	9%	17	Deepak Sharma	30.6	2%
3	Abhisar Sharma	109.4	7%	18	Kadak	29.6	2%
4	DB live	91.6	6%	19	Punya Prasun Bajpai	29.0	2%
5	Online News India	76.4	5%	20	Public Views India	28.4	2%
6	Ajit Anjum	68.8	5%	21	Ulta Chasma uc	28.1	2%
7	Dhruv Rathee	62.9	4%	22	The Jaipur Dialogues	28.1	2%
8	Ravish Kumar Official	62.2	4%	23	Global Bharat TV	28.1	2%
9	The Chanakya Dialogues Hindi	58.9	4%	24	Bharat Samachar	25.7	2%
10	Earth 24	58.7	4%	25	News Express	24.2	2%
11	Capital TV	51.3	3%	26	The Rajneeti	24.1	2%
12	The Rajdharma	48.8	3%	27	Apka Akhbar	23.2	2%
13	The News	42.0	3%	28	Pragya Ka Panna	22.7	2%
14	Unite India	41.2	3%	29	DNAIndiaNews	20.6	1%
15	The Deshbhakt	39.6	3%	30	RJ Raunac	19.9	1%
					Total	1476.6	100%

Note
1.We have significantly expanded our master list for channel tracking. Top 30 shown here.

दिल्ली बॉर्डर पर सोनम वांगचुक को रोके जाने पर गरमाई सियासत

आप व कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर उठाए सवाल

126 लोगों के साथ पुलिस ने लिया हिरासत में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और उनके साथियों समेत 126 लोगों को सोमवार रात हिरासत में ले लिया। इसको लेकर सियासत गर्म हो गई है। आप व कांग्रेस ने दिल्ली पुलिस व भाजपा सरकार पर हमला बोला है। दरअसल, केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख को विशेष दर्जा दिलाने के लिए वांगचुक ने साथियों के साथ प्रदर्शन करने के लिए सिंघु सीमा से दिल्ली में प्रवेश किया था।

पुलिस ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए यह कार्रवाई की। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त रवि कुमार सिंह ने सभी लोगो के हिरासत में लिए जाने की पुष्टि की है और कहा है कि इन्हें दिल्ली के अलग-अलग थानों में रखा गया है। उत्तरी-बाहरी जिला डीसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि दिल्ली में धारा 163 लागू है। ऐसे में यह सभी लोग दिल्ली की सीमाओं में एक साथ प्रवेश कर रहे थे। जबकि धारा 163 लागू होने पर 5 या 5 से अधिक लोग एकसाथ इकट्ठा नहीं हो सकते। बता दें कि यह लोग केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को विशेष दर्जा देने के लिए दिल्ली के जंतर-मंतर व राजघाट समेत कई जगहों पर प्रदर्शन करने के लिए दिल्ली में प्रवेश कर रहे थे।

वांगचुक ने सोशल मीडिया पर जारी किया वीडियो

इस संबंध में सोनम वांगचुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो पोस्ट कर हिरासत में लिए जाने की जानकारी दी। सोनम वांगचुक ने एक्स पर दो मिनट 26 सेकेंड का एक वीडियो पोस्ट किया। जिसमें उन्होंने कहा कि मुझे दिल्ली की सीमा पर 150 पदयात्रियों के साथ हिरासत में लिया जा रहा है।

एजेंसियां गैंगस्टरों को क्यों नहीं रोक पा रही : सिसोदिया

आप विधायक मनीष सिसोदिया ने कहा कि सोनम वांगचुक को रोकने वाली एजेंसियां गैंगस्टरों को क्यों नहीं रोक पा रहीं है। दिल्ली में गैंगस्टर खुलेआम गोलीबारी कर रहे हैं। व्यापारियों से रंगदारी मांग रहे हैं। नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा की दिल्ली पुलिस उन्हें नहीं पकड़ रही है। वहीं पूर्व डिप्टी सीएम ने अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली को गड्ढा मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। इस सड़क पर बहुत सारे गड्ढे थे। लेकिन निरीक्षण के बाद इसे ठीक कर दिया गया। सरकार सक्रिय मोड में है और सभी विधायकों को दिल्ली को गड्ढा मुक्त बनाने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। भाजपा ने दिल्ली के लोगों को परेशान करने के लिए हर जगह गड्ढे खोदे हैं। वे चाहते थे कि अरविंद केजरीवाल जेल में हों और दिल्ली के लोग अरविंद केजरीवाल को वोट देंगे।

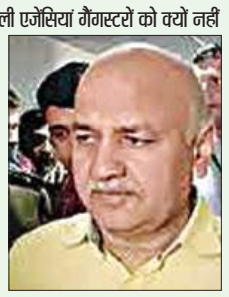

ये चक्रव्यूह भी टूटेगा : राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सोनम वांगचुक जी और पर्यावरण और संवैधानिक अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण मार्च कर रहे सैकड़ों लद्दाखियों को हिरासत में लेना अस्वीकार्य है। वांगचुक जी और पर्यावरण और संवैधानिक अधिकारों के लिए शांतिपूर्ण मार्च कर रहे सैकड़ों लद्दाखियों को हिरासत में लेना अस्वीकार्य है। लद्दाख के भविष्य के लिए खड़े होने वाले बुजुर्गों को दिल्ली की सीमा पर क्यों हिरासत में लिया जा रहा है? मोदी जी, किसानों की तरह यह चक्रव्यूह भी टूटेगा और आपका अहंकार भी टूटेगा। आपको लद्दाख की आवाज सुननी होगी।

दवा कंपनियां जब चंदा देंगी तो बीमारी ही बढ़ेगी : अखिलेश

» दवाओं के नमूने जांच में नाकाम होने को लेकर सपा अध्यक्ष ने किया भाजपा सरकार पर तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम ने एकबार फिर भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने दवाओं के की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार जवाब दे आज की भ्रष्ट भाजपा सरकार, ऐसी दवा खाकर होगा इलाज या बीमार। जब तक भाजपा कंपनियों से बटोरती रहेगी चंदा, तब तक जारी रहेगा कम गुणवत्तावाली दवाइयों का धंधा।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने देश की शीर्ष औषधि विनियामक संस्था द्वारा गुणवत्ता जांच में 50 दवाओं के नमूने नाकाम होने को लेकर केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर तंज करते हुए पूछा कि इस जांच रिपोर्ट पर सरकार आखिर क्या कार्रवाई करेगी। उन्होंने नहीं चाहिए भाजपा हैशटैग से किए गए इस पोस्ट में आगे कहा, इस रिपोर्ट के बाद भी कोई कार्रवाई होगी या चंदे का रेट बढ़ा कर मामला रफ़ा-दफ़ा कर दिया जाएगा? जनता की जान से खिलवाड़ करने का ये भाजपाई खेल अच्छा नहीं। निंदनीय! भारत की एक शीर्ष औषधि विनियामक संस्था ने करीब 50 दवाओं के नमूनों को मानक गुणवत्ता के अनुकूल नहीं पाया है। इन दवाओं में व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली पैरासिटामोल, पैंटोप्राजोल और जीवाणु संक्रमण के इलाज के लिए कुछ एंटीबायोटिक्स शामिल हैं।

बीजेपी ने लाडली बहनों को धोखा दिया : पटवारी

» शिवराज के बयान पर किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शिवराज सिंह चौहान के झारखंड में दिए बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी तब शिवराज सिंह चौहान किसानों को 40 हजार मुआवजा दिलाने के लिए तत्कालीन सीएम कमलनाथ पर दबाव डाल रहे थे। लेकिन अब तब केंद्र और प्रदेश दोनों जगह उनकी सरकार है तो किसानों को मुआवजा क्यों नहीं मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि बीजेपी ने लाडली बहनों को भी धोखा दिया है। उनसे 3000 का वादा कर सरकार सिर्फ 1250 रुपए दे रही है और दूसरी तरफ़ लाडली बहनों के पतियों को दिए जा रहे भारी बिजली के बिल थमाए जा रहे हैं। जीतू पटवारी ने कहा कि शिवराज जी झूठ बोलते हैं अब झारखंड में उनके इन झूठों को कॉपी किया जा रहा है।

मैं हर मंगलवार को शिवराज सिंह चौहान से समय मांगता रहूंगा, जब तक वो मुझसे मिलने को तैयार नहीं होते हैं। शिवराज सिंह से मिलकर मैं उनसे सभी सवालों का जवाब मांगूंगा।

बेटियों की सुरक्षा के लिए सड़क पर उतरेगी कांग्रेस

मध्य प्रदेश में महिला अत्याचार को लेकर जीतू पटवारी ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कानून का खौफ कम हो गया है और महिलाओं के विरुद्ध अत्याचार 5 साल में डबल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि इस सरकार से कुछ होने वाला नहीं है और विपक्ष के नाते हमारा दायित्व है कि हम बेटियों के रक्षा के लिए कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि 'अब बेटियों की सुरक्षा के लिए सरकार से उम्मीद करना बेकार है, क्योंकि भाजपा सरकार की प्राथमिकता कभी भी हमारी बेटियों की सुरक्षा नहीं रही।

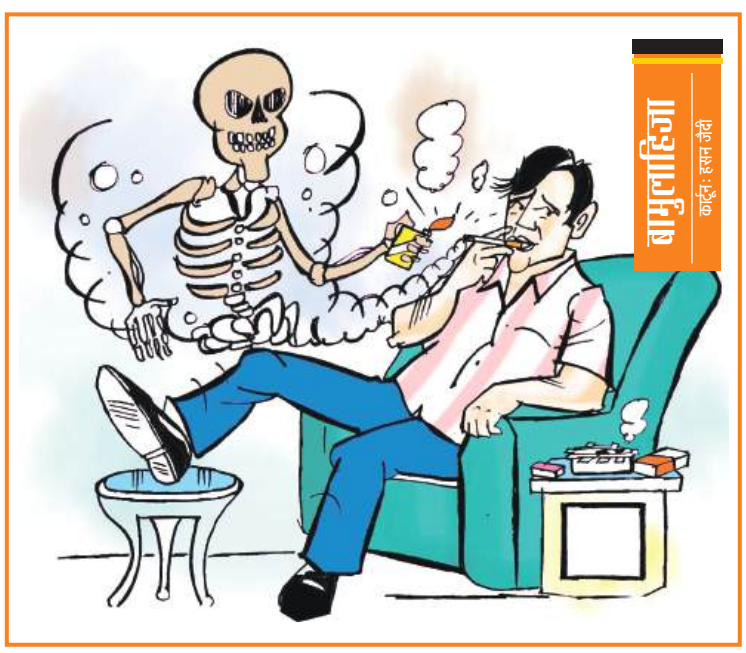

इस्राइल पीएम नेतन्याहू सबसे बड़े आतंकवादी : महबूबा मुफ्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने एक बार फिर हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह के प्रति प्रेम दिखा। मुफ्ती ने कहा कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को एडोल्फ हिटलर के बाद सबसे बड़ा आतंकवादी कहा है। क्योंकि यहूदी नेता ने फिलिस्तीन और लेबनान को गैस चैंबर बना दिया है।

इससे पहले जम्मू-कश्मीर के बडगाम में इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) द्वारा हिजबुल्ला प्रमुख हसन नसरल्लाह की हत्या के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। काफी संख्या में लोगों ने सड़कों पर उतरकर इजरायल सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। उधर, पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने रविवार को होने वाले सभी चुनाव प्रचार अभियान रद्द कर दिया था।

मगरमच्छ के आंसू निकाल रहीं पूर्व सीएम : कविंदर

जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता कविंदर गुप्ता ने कहा, हसन नसरुल्लाह की मौत पर महबूबा मुफ्ती को इतनी तकलीफ क्यों हो रही है? जब बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमला किया जाता है और उन्हें मार दिया जाता है, तो वे चुप हो जाती हैं। ये मगरमच्छ के आंसू हैं और लोग इसके पीछे की मंशा को समझते हैं।

देश में कमजोर पड़ रही है भाजपा !

महाराष्ट्र में विश्वविद्यालयों के चुनाव में पिछड़ी बीजेपी

» विपक्ष का दावा- पीएम की रैलियों में भीड़ नदारद

» राउत, ममता, स्टालिन के निशाने पर मोदी-शाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजनीति हर पल बदलती रहती है। महाराष्ट्र में कभी मजबूत रही भाजपा अब वहां कमजोर पड़ रही है। उसकी सहयोगी शिवसेना (बाला साहब ठाकरे के समय वाली) एकनाथ शिंदे से संभल नहीं रही है। लोकसभा में हार के बाद अब महायुति को मुंबई विवि के चुनावों में पटखनी खानी पड़ी है। वहीं हरियाणा में चुनाव प्रचार खत्म होने वाले हैं उससे पहले कांग्रेस ने राहुल गांधी व प्रियंका गांधी को वहां पर उतारकर भाजपा को असहज कर दिया है।

बीजेपी को अपनी सीटों को बचाने के लिए जद्दोजहद करना पड़ रहा है। इन सबके बीच तमिलनाडु में मुख्यमंत्री स्टालिन ने अपने पुत्र उदयनिधि को डिप्टी सीएम बनाकर भाजपा को मिर्ची लगा दिया है। वहीं बंगाल की टीमएमसी सरकार ने केंद्र पर बाढ़ पीड़ितों की मदद न करने का अरोप लगाकर हमला बोला है। उदयनिधि पर फैसले के बाद बीजेपी ने डीएमके पर जोरदार हमला किया है। चारों ओर से भाजपा विपक्ष के निशाने पर है। अब 8 अक्टूबर को दो राज्यों के चुनावों नजीजे आने के बाद ही पता चलेगा भाजपा स्थिती मजबूत होती है कमजोर।

सेंथिल बालाजी की वापसी व उदयनिधि को डिप्टी सीएम बनाकर स्टालिन ने भाजपा को फंसाया

सेंथिल बालाजी की वापसी व उदयनिधि को डिप्टी सीएम बनाकर स्टालिन ने भाजपा को फंसा दिया। इस फैसले का बाद भाजपा ने डीमके पर हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला नेकहा कि क्षेत्रीय पार्टियों को राज्यों के विकास से मतलब नहीं वे सिर्फ अपने परिवार व पुत्रों का विकास चाहते हैं। उन्होंने कहा सपा, नेकां,पीडीपी से लेकर कांग्रेस तक सियासी दल नहीं है ये प्राइवेट कंपनी हैं। ज्ञात हो कि वी सेंथिल बालाजी ने द्रमुक के तीन अन्य विधायकों आर राजेंद्रन, गोवी चेझियान और एस एम नासर ने भी राजभवन में आयोजित एक सादा समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। उन्होंने तमिलनाडु के

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की मौजूदगी में शपथ ली। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेता वी सेंथिल बालाजी को मंत्री पद की शपथ दिलाई। बालाजी को कुछ दिन पहले ही धनशोधन के एक मामले में उच्चतम न्यायालय से जमानत मिली थी। द्रमुक के तीन अन्य विधायकों आर राजेंद्रन (सेलम-उत्तर), गोवी चेझियान (तिरुविदाईमारुदुर) और एस एम नासर (अवाडी) ने भी राजभवन में आयोजित एक सादा समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की मौजूदगी में शपथ ली। इस अवसर पर उनके बेटे उदयनिधि भी मौजूद थे, जो पहले ही उपमुख्यमंत्री बनाए जा चुके हैं। तमिलनाडु के राज्यपाल शनिवार को मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की कैबिनेट फेरबदल की सिफारिशों को मंजूरी दे दी, जिस के तहत उनके बेटे उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री का पद दिया गया तथा वी. सेंथिल बालाजी को मंत्रिपरिषद में फिर से शामिल किया गया है। बालाजी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा कथित नौकरी घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किए जाने के कई महीने बाद इस साल फरवरी में इस्तीफा दे दिया था। राजभवन की एक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री स्टालिन ने तमिलनाडु के राज्यपाल से सिफारिश की कि युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री थिरु उदयनिधि स्टालिन को उनके मौजूदा विभागों के अलावा योजना और विकास विभाग आवंटित किया जाए और उन्हें उपमुख्यमंत्री के रूप में नामित किया जाए। इसमें कहा गया है कि राज्यपाल ने सिफारिशों को मंजूरी दे दी है।

बाढ़ की स्थिति चिंताजनक, केंद्र मदद नहीं कर रहा : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उत्तरी जिलों में बाढ़ की स्थिति को ''खतरनाक'' बताया और दावा किया कि राज्य को इस प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए केंद्र सरकार से सहायता नहीं मिल रही है।

बंगाल के उत्तरी हिस्से में बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण करने के लिए वहां जा रहीं बनर्जी ने कहा कि राज्य सरकार युद्ध स्तर पर बाढ़ से निपट रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''उत्तर बंगाल बाढ़ की चपेट में है। कूचबिहार, जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार जैसे जिले प्रभावित हुए हैं। कोशी नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण, बिहार के कई स्थान और बंगाल के मालदा और दक्षिण दिनाजपुर जिले निकट भविष्य में प्रभावित होंगे। केंद्र सरकार पर ''राज्य को आपदाओं से लड़ने में मदद करने के लिए अपनी भूमिका नहीं निभाने'' का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, कि हमारे बार-बार याद दिलाने के बावजूद केंद्र ने फरक्का बैराज का रखरखाव कार्य नहीं किया और इसकी जल-धारण क्षमता काफी हद तक कम हो गई है।

कांग्रेस हरियाणा में रैलियों की जगह रथयात्रा को बढ़ावा देगी

कांग्रेस ने रणनीति के तहत रैलियों की बजाय रथ यात्रा का प्लान किया है, ताकि अधिक से अधिक विधानसभा क्षेत्रों तक पहुंचा जा सके। रथ यात्रा के रूट प्लान से अंदाजा लगाया जा सकता है कि कांग्रेस अपने दुर्ग को और मजबूत करने के साथ भाजपा के गढ़ में सेंध लगाने की तैयारी है। 2019 के चुनाव में नारायणगढ़, साढौरा, लाडवा और मुलाना में कांग्रेस को जीत मिली थी और पहले से भी यहां पार्टी मजबूत रही है। इसलिए यहां से रथ यात्रा निकालने का मकसद है कि इन सीटों पर पार्टी और मजबूत हो और कार्यकर्ताओं में जोश भरा जा सके। भाजपा ने सीएम नायब सिंह सैनी को लाडवा से उतारा है, इसलिए ये हॉट सीट है। शाहाबाद में जजपा विधायक रामकरण काला कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं और यहां मजबूत प्रत्याशी हैं। थानेसर पिछले दस साल से भाजपा के गढ़ है। गौरतलब है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले कुरुक्षेत्र में रैली करके हरियाणा में चुनाव प्रचार का आगाज किया था। कुरुक्षेत्र इसलिए भी महत्वूपर्ण है, क्योंकि यहां से सांसद भाजपा के हैं। भाजपा के इसी गढ़ में सेंध लगाने के लिए यहां राहुल और प्रियंका गांधी की जनसभा तय की गई है।

भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर होगी यात्राएं

कांग्रेस नेताओं के अनुसार ये यात्रा भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर होगी। इस वजह से इसे भारत जोड़ो यात्रा पार्ट-2 भी कहा जा रहा है। इस यात्रा का रूट तो अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन इतना तय है कि यात्रा के रूट में वो सीटें जरूर शामिल होंगी, जहां पर कांग्रेस जीतने की स्थिति में दिख रही है। 4 दिनों तक चलने वाली इस यात्रा में राहुल के साथ प्रियंका गांधी भी शामिल रहेंगी। राहुल गांधी अब तक असंध और बरवाला में दो रैलियों को संबोधित कर चुके हैं, लेकिन अब रैलियों के स्थान पर रथ यात्रा करने का प्लान बनाया है, ताकि अधिक क्षेत्र में प्रचार किया जा सके। सुबह 10.30 बजे दोनों कांग्रेस नेता नारायणगढ़ के हुडा ग्राउंड में पहुंचेंगे। जनसभा के बाद 11.30 बजे यात्रा शुरू होगी और साढ़ौरा हलके में बिलासपुर रोड, मुलाना में दोसड़का, साहा में राजीव चौक, शाहाबाद में उधम सिंह चौक लाडवा में बाबैन चौक और पिपली चौक पर यात्रा का स्वागत होगा। शाम पांच बजे थानेसर पहुंचकर जनसभा को संबोधित करेंगे।

सीनेट में यूबीटी की जीत तो महज शुरुआत है : आदित्य ठाकरे

शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि मुंबई विश्वविद्यालय के सीनेट चुनाव में सभी सीट पर उनकी पार्टी की जीत तो बस शुरुआत है और इस तरह की जीत आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी दोहराई जानी चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) की युवा शाखा 'युवा सेन' ने सीनेट चुनाव में प्रचंड जीत हासिल करते हुए सभी 10 स्नातक सीट हासिल कर ली तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबंद्ध अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को आसानी से हरा दिया। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के आवास 'मातोश्री' के बाहर उत्साहित पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा कि सीनेट चुनाव के लिए मतदान केवल मुंबई में ही नहीं हुआ, बल्कि ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिले में भी मतदान हुआ और यह जीत उनकी पार्टी के प्रभाव को दर्शाती है। ठाकरे ने कहा, हमने दिखा दिया है कि जीत क्या होती है। यह शुरुआत है। हमें विधानसभा में भी ऐसी ही जीत दर्ज करनी है। युवा सेना के प्रमुख एवं वर्ली से विधायक ने कहा कि यह जीत स्नातकों द्वारा महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के प्रति जताए गए विश्वास को दर्शाती है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि छात्रों और स्नातकों के लिए एक हेल्पलाइन स्थापित की जाएगी। सीनेट मुंबई विश्वविद्यालय का सर्वोच्च निर्वाचित निर्णय लेने वाला निकाय और निगरानी संस्था है जिसमें शिक्षकों, प्राचार्यों और कॉलेज प्रबंधन के साथ-साथ पंजीकृत स्नातकों के प्रतिनिधि शामिल हैं। इसे विश्वविद्यालय का बजट पारित करने का अधिकार है। नवंबर में होने वाले संभावित राज्य विधानसभा चुनाव से पहले आए ये परिणाम आश्चर्यजनक नहीं हैं, क्योंकि शिवसेना (यूबीटी) नेता अनिल परब ने जुलाई में हुए महाराष्ट्र विधान परिषद (एमएलसी) के चुनाव में मुंबई स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से जीत दर्ज की थी। मातोश्री में बहुत बड़ा जश्न मनाया गया, जिसमें वरुण सरदेसाई जैसे युवा सेना के नेता पार्टी समर्थकों के साथ नृत्य करते हुए नजर आए। सरदेसाई आदित्य के रिश्ते के भाई हैं। आदित्य ठाकरे भी कुछ देर के लिए इसमें शामिल हुए और उन्होंने अपने भाई तेजस और मां रश्मि ठाकरे के चेहरों पर गुलाल लगाया, जो जीत के जश्न में शामिल थे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

दवा ही बीमार होगी तो मरीज का क्या होगा!

गौरतलब हो कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने दवाइयों के क्वालिटी टेस्ट में 53 दवाओं को फेल कर दिया गया है। उनमें कई दवाओं की क्वालिटी खराब है तो वहीं दूसरी ओर बहुत सी दवाएं नकली भी बिक रही हैं। इन दवाओं में बीपी, डायबिटीज, एसिड रिफलक्स और विटामिन की कुछ दवाइयां भी शामिल हैं।

अभी हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कुछ दवाओं की गुणवत्ता की कमी आने की वजह से उसे मार्केट में चलाने पर रोक लगा दी है। ये दवाइयां गुणवत्ता के लिहाज से खराब पाई गई थीं। गलत दवाओं की वजह से कई खबरें लोगों के मरने की आती रही है। अब चूकि सैकड़ों दवाओं को इस सूची में लाया गया है तो आम लोगों के मन में सवाल उठता है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक सेहत को प्रभावित करते हैं। यह भी कि जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? चूकि बीमारियों मे दवा ही वह माध्यम है जिससे व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। अब गर दवाइयां इस तरह हानि पहुंचाएगी तो मानवीय जीवन को कौन बचाएगा। गौरतलब हो कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने दवाइयों के क्वालिटी टेस्ट में 53 दवाओं को फेल कर दिया गया है। उनमें कई दवाओं की क्वालिटी खराब है तो वहीं दूसरी ओर बहुत सी दवाएं नकली भी बिक रही हैं।

इन दवाओं में बीपी, डायबिटीज, एसिड रिफलक्स और विटामिन की कुछ दवाइयां भी शामिल हैं। इसके अलावा सीडीएससीओ ने जिन दवाओं को गुणवत्ता में फेल किया हैं उसमें बुखार उतारने वाली पैरासिटामोल, पेन किलर डिक्लोफेनेक, एंटीफंगल मेडिसिन फ्लुकोनाजोल जैसी देश की कई बड़ी फार्मास्युटिक्लस कंपनी की दवाएं भी शामिल हैं और इनको सेहत के लिए नुकसानदायक भी बताया गया है। निश्चित ही यह खबर परेशानी एवं चिन्ता में डालने वाली है। कैसी विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी होने से उन मरीजों की स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गयी हैं जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन-डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन-सी, एंटी-एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं। रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। इन लोगों पर लगाम लगाने के लिए सभी जागरुक होना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

एक जवाबदेह चुनावी घोषणा पत्र की दरकार

नरेश कौशल

देश में आम चुनावों के बाद हो रहे विधानसभा चुनावों में एक बार फिर मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का खेल जोर-शोर से चल रहा है। जनता में राजनीतिक दलों की घटती साख और रीति-नीतियों के प्रति जनता में उपजे अविश्वास के बीच राजनेता मुफ्त का खतरनाक खेल खेल रहे हैं। वे लोकलुभावन का शॉर्टकट रास्ता अख्तियार कर रहे हैं। वे मुफ्त का चंदन घिस मेरे नंदन की कहावत को अपना रहे हैं। उन्हें पता है कि मुफ्त के माल का पैसा कौन-सा उनकी जेब से जा रहा है। बोझ तो सरकारी खजाने पर पड़ेगा। दुर्भाग्य से देश में ऐसी कोई नियामक व्यवस्था नहीं बन पायी कि मुफ्त की रेवड़ियों के खर्च की जवाबदेही नेताओं व राजनीतिक दलों के लिये तय की जा सके। चुनाव आयोग भी इस घातक रिवाज पर रोक लगाने में विफल ही लगता है।

हकीकत यह है कि जब तक हम जनता को जागरूक नहीं करेंगे और जनता ही नेताओं पर दबाव नहीं बनाएगी, तब तक मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का यह खेल यूं ही चलता रहेगा। वैसे हकीकत यह है कि जब तक जनता जागरूक नहीं होगी, राजनीतिक दलों के मुफ्त के वादों के घोषणापत्रों पर लगाम नहीं लगेगी। यह एक हकीकत है कि सरकारों व राजनीतिक दलों के तमाम थोथे दावों के बावजूद हम देश के अधिसंख्य नागरिकों को राजनीतिक रूप से इतना सजग-सचेत नहीं कर पाए हैं कि वे मुफ्त के प्रलोभनों, जाति, धर्म व क्षेत्रीयता की संकीर्णताओं से उठकर मतदान कर सकें। यदि देश का अधिसंख्य मतदाता राजनीतिक रूप से जागरूक होता तो मुफ्त की रेवड़ियों को वह ठुकरा देता। हकीकत में जागरूक नागरिकों व लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति सजग स्वयंसेवी संस्थाओं को सर्वप्रथम किसी भी राज्य या देश के मौजूदा बजट का आकलन करना होगा। यह कि राज्य को किन-किन स्रोतों से राजस्व प्राप्त हो रहा है। कितना ऋण राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से लिया गया है। राज्य पर कुल ऋण का कितना बोझ है। उस पर कितना ब्याज लगातार राज्य को देना पड़ रहा है। यह सब राजनीतिक दलों व नेताओं को जनता को बताना होगा।

मतदाताओं को अहसास कराना होगा कि उसके पास कितनी चादर है और उसे कितने पैर पसारने होंगे। एक बात तो तय है कि देश-प्रदेश के आर्थिक स्वास्थ्य के हित में हर हाल में लोकलुभावन घोषणाओं और मुफ्त की

रेवड़ियों का प्रचलन बंद करना ही होगा। मतदाताओं में राष्ट्र और प्रदेश पहले है, की भावना जाग्रत करनी होगी। वहीं दूसरी ओर मुफ्त में राशन बांटकर जनता को सरकार पर आश्रित बनाये रखने की नीति बदलनी होगी ताकि लोग नाकारा होकर न रह जाएं। लोगों को सरकारी बैसाखी देने के बजाय उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने लायक बनाया जाए। उन्हें मुफ्त राशन देने के बजाय सस्ता लोन दिया जा सकता है ताकि वे अपना काम धंधा शुरू करके आत्मनिर्भर हो सकें। यह लोककल्याण स्थायी होगा और बहुत संभव है कि यदि ऋण लेने से वे कोई काम-धंधा चला सकें तो दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। सरकार व राजनीतिक दलों को सरकारी कर्मचारियों व वेतनभोगियों को बजट की वास्तविक स्थिति से भी अवगत कराना होगा। होता यह है कि राज्य की वास्तविक आर्थिक स्थिति को जानते हुए भी कर्मचारी संगठन सुविधाओं को बढ़ाने के लिये आंदोलन करते रहते हैं। उन्हीं से राय लेनी होगी कि यदि उनके वेतन-भत्ते बढ़ाने हैं तो बजट में उस राशि की पूर्ति आय के किन स्रोतों से की जा सकती है। एक बात तो तय है कि निश्चित रूप से फ्री बिजली और पानी की नीति बंद करनी होगी। हां, शुद्ध पेयजल व शुद्ध पर्यावरण नि:शुल्क पाना नागरिकों का अधिकार है। वहीं दूसरी ओर बजट में शिक्षा, जन स्वास्थ्य सेवाओं, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों का कल्याण, महिलाओं के उत्थान हेतु पौष्टिक आहार जुटाने तथा समाज व बाल कल्याण हेतु अधिकतम प्रावधान होना चाहिए। दूसरी ओर शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, आंगनवाड़ी केंद्रों, खेलकूद संस्थानों आदि के लिये प्राथमिक आधार पर बजट की दरकार रहेगी। शिक्षा के स्वरूप में एकरूपता होनी चाहिए। होना तो यह चाहिए कि सरकारी स्कूलों के शिक्षा का स्तर निजी स्कूलों से बेहतर, नहीं तो कम से कम उनके बराबर तो हो।

आम आदमी सरकार ने दिल्ली में जिस शिक्षा नीति को लागू किया, उसके अच्छे परिणाम मिले हैं। इसी तरह मोहल्ला क्लीनिक के प्रयोग को भी सराहा गया है। एक आदर्श घोषणा पत्र में ऐसी सुविधाओं का प्रावधान तो होना ही चाहिए। वहीं वोट जुटाने के लिये अवैध बस्तियों को वैध बनाने का जो दुर्भाग्यपूर्ण खेल शुरू हुआ है, उसका घातक असर नागरिक सेवाओं पर पड़ रहा है। जिन लोगों ने ईमानदारी से मेहनत की कमाई से कानूनी रूप से वैध मकान बनाए हैं और उसकी बड़ी कीमत चुकाई है, उन्हीं को इस संकट का सामना करना पड़ रहा है।

गांधीवादी मरहम की जरूरत है संकटग्रस्त दुनिया को

अविजित पाठक

जब मैं मोहनदास करमचंद गांधी को याद करता हूं या उनकी लिखी किताबें-'द स्टोरी ऑफ माई एक्सपेरिमेंट्स विद ट्रुथ' और 'हिंद स्वराज' - को विवेचनात्मक समझ के साथ पढ़कर, उनके विश्व-दृष्टिकोण को समझने की कोशिश करता हूं, तो मेरे समक्ष विरोधाभास खड़ा हो जाता है। जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसकी कठोर हकीकत पर सावधानीपूर्वक नजर डालने से कह सकते हैं कि गांधी की भावना नकारी जा रही है। राजनीतिक अर्थव्यवस्था से लेकर संस्कृति एवं शिक्षा के क्षेत्रों तक में। फिर भी, इस तमाम नकारात्मकता के बावजूद, मुझे यकीन है कि जख्मी हुई इस दुनिया को बचाने और ठीक करने के लिए हमें उनके विचार के साथ गंभीर जुड़ाव बनाने की आवश्यकता है।

जब मैं मौजूदा अति-आधुनिक/परम-राष्ट्रवादी काल में हमारी सामूहिक नियति पर नजर दौड़ाता हूं तो मुझे लगता है कि 'बढ़िया जीवनशैली' के मोहपाश में फंसकर हम अपनी पहचान को मुख्यत: बाजार-संचालित प्रचार से बहकाए गए बेलगाम उपभोक्तावाद और विशिष्टतावादी अहसास (जो चीज मेरे पास है वह किसी अन्य के पास नहीं) के खुमार में धुत्त एक अतिवादी योद्धा के रूप में परिवर्तित करते जा रहे हैं। जैसे-जैसे हम अनवरत उपभोग के सिद्धांत को आत्मसात करने लगे हैं - जो कि नवउदारवादी बाजार के मूल सिद्धांत का एक तार्किक हश्र है - हमारी जरूरतें बढ़ती जा रही हैं। हमारे अतृप्त लालच (अधिक कारें, अधिक उपकरण, अधिक खपत, अधिक बिजली, अधिक जीवाश्म ईंधन का धुआं, अधिक वनों की कटाई और इस तरह अधिक कार्बन उत्सर्जन) पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसी तरह, जैसे-जैसे हम अधिक से अधिक परम-राष्ट्रवादी होते जा रहे हैं, हम दुनिया को और ज्यादा विभाजनों और खंडों में बांट रहे हैं। देखा जाए तो, खुद को हिंदू बनाम मुस्लिम या भारत बनाम पाकिस्तान या फिर इस्राइल बनाम फलस्तीन के संकीर्ण पालों से मुक्त रखना बेहद मुश्किल हो जाता है। हां, हम खुद को उस स्थिति में पाते हैं, जिसकी संज्ञा कई सामाजिक वैज्ञानिक 'जोखिमजदा समाज' के रूप में करते हैं-एक ऐसा समाज जो युद्ध, सैन्यवाद, आतंकवाद, अधिनायकवाद, और सबसे अधिक, जलवायु आपातकाल से त्रस्त है। कोई शक नहीं, इस दुनिया में गांधीवादी भावना का जरा नामो-निशान बाकी नहीं है।

गांधी - शायद हेनरी डेविड थोरो की भांति - हमें अपनी कृत्रिम जरूरतें कम करने, आध्यात्मिक रूप से जाग्रत होकर सादगी पर जोर देने और पर्यावरणीय तंत्र के साथ समरसता बनाकर रहने का आग्रह करते हैं। गांधी हम से आंतरिक शक्ति, साहस, सत्य और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता और अन्यायपूर्ण व्यवस्था (जैसे कि उपनिवेशवाद या जाति व्यवस्था) के विरुद्ध प्रतिरोध की कला का स्रोत अहिंसा, अपरिग्रह और सर्वोदय में खोजने का आह्वान करते हैं। संभवत:, गांधी की सोच के पीछे भगवद् गीता की कर्मयोग की धारणा और यीशु द्वारा पर्वत पर दिए अपने उपदेश में व्यक्त 'प्रेम की मुक्तिदायिनी शक्ति' का रचनात्मक सम्मिश्रण था।

इसके अलावा, औद्योगिक पूंजीवाद के संपूर्ण ढांचे की आलोचना करने के गांधी के तरीकों में 'दार्शनिक अराजकता' और रूमानियत के निशान खोजना कठिन नहीं है। हां, 'हिंद स्वराज' नामक अखबार में 'डॉक्टरों और वकीलों' पर की उनकी तीखी टिप्पणियां या काफी हद तक विकेन्द्रित ग्राम स्वराज के प्रति उनका लगाव यह दर्शाता है कि वे अपने वक्त में प्रचलित आधुनिकता की मानकीकृत धारणा से काफी अलग थे, चाहे यह बुर्जुआ औद्योगिक पूंजीवाद हो या मार्क्सवादी समाजवाद। इसी तरह, जैसा कि उन्होंने अपनी आत्मकथा में स्पष्टतया व्यक्त किया है, जॉन रस्किन ने जिस तरह से श्रम की गरिमा को महत्व दिया और दमनकारी युग्मक - बौद्धिक बनाम शारीरिक- पर सवाल उठाया, उसका गहरा प्रभाव पड़ा। गांधी के विश्वदृष्टिकोण में किसान, बुनकर और बढ़ई डॉक्टरों और वकीलों से कम महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाते। इसलिए, कोई हैरानी नहीं कि 'नई तालीम' या बुनियादी शिक्षा के सिद्धांत में इस तरह की शिक्षा प्रणाली पर जोर दिया है, जिसमें विद्यार्थी केवल किताबी ज्ञान न पाकर हाथ- पैरों का उपयोग कर सीखें अर्थात व्यावहारिक शिक्षा, जिससे दिमाग एवं मन और सिद्धांत एवं व्यवहार के बीच नाता कायम होता है। यह मत भूलिए कि गांधी ने खुद 1910-13 के दौरान, दक्षिण अफ्रीका के टॉलस्टॉय फार्म में अपने साथ रहने वाले बच्चों या युवा शिक्षार्थियों के साथ काम करते हुए, एक 'शिक्षक' के रूप में, इसका प्रयोग किया था।

यहां, मैं अक्सर खुद से एक सवाल पूछता हूं कि इस अशांत समय में गांधी को फिर से खोजना, उनके विचारों के साथ आलोचनात्मक और रचनात्मक प्रयोग करना और न्यायपूर्ण एवं मानवीय दुनिया बनाने के लिए व्यवहार का दर्शन विकसित करना क्या संभव है? खैर, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि गांधी के आलोचक भी बहुत थे। हम जानते हैं कि रजनी पाल्मे दत्त जैसे लोगों ने ऐतिहासिक भौतिकवाद के अपने मार्क्सवादी सिद्धांत का इस्तेमाल करते हुए, गांधी के 'ग्राम स्वराज' या किसी किस्म के 'अहिंसक समाजवाद' को 'राम राज्य की रूमानी हसरतें' ठहराकर आलोचना की है। इसी तरह, जाति के सवाल पर डॉ. बीआर अंबेडकर कभी भी गांधी के दृष्टिकोण से सहज नहीं थे। और निश्चित रूप से, जैसा कि उनकी हत्या के पीछे की राजनीति से पता चलता है, उग्र हिंदू राष्ट्रवाद के हामियों का समूह गांधी और उनके अहिंसा और धार्मिक बहुलवाद के सिद्धांत से नफरत करता था।

पाचन क्रिया

ठीक करेंगे ये ड्रिंक्स

हल्दी-पुदीना

एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर हल्दी में पाए जाने वाला करक्यूमिन आपकी सेहत के लिए कई प्रकार से लाभप्रद है। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही ये मल त्याग, पेट दर्द और दस्त को कम करके आंतों की समस्याओं को कम करने में भी फायदेमंद है। इसी तरह से पुदीने के रस को पानी में मिलाकर पीने से भी पाचन संबंधित समस्याओं के जोखिमों को कम किया जा सकता है। पुदीने में कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं जो पाचन क्रिया में सुधार के लिए बहुत लाभप्रद हैं। साथ ही पुदीने में शामिल एंटी माइक्रोबियल और एंटी वायरस गुण पाचन संबंधित समस्याओं जैसे सूजन, कब्ज और अपच से भी निजात दिलाने में सहायक साबित हो सकते हैं। ऐसा इसलिए हैं क्योंकि एंटीऑक्सीडेंट शरीर में गैस्ट्रिक एंजाइम के उत्पादन को सुविधाजनक बनाते हैं।

छाछ और दही

छाछ और दही आदि को प्रोबायोटिक्स से भरपूर माना जाता है जो आंत में गुड बैक्टीरिया को बढ़ावा देने और पाचन को ठीक रखने में मददगार है। छाछ लोकप्रिय भारतीय पेय है जो भोजन के पाचन को ठीक रखने और पेट की समस्याओं को कम करने में आपके लिए लाभकारी है। यह पेय आपके शरीर को पोषण देने और हाइड्रेट रखने में भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसके नियमित सेवन से कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं।

हर्बल टी

हममें से ज्यादातर लोग दिन की शुरुआत चाय-कॉफी के साथ करते हैं, इसका अधिक सेवन आपके पाचन के लिए नुकसानदायक हो सकता है। हालांकि इसकी जगह पर हर्बल का सेवन करना अच्छा विकल्प माना जाता है। जैसे अदरक की चाय पीना पाचन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। अदरक शरीर में पाचन एंजाइम और गैस्ट्रिक जूस के उत्पादन को उत्तेजित करने में मदद करता है। इससे पेट फूलने जैसे पाचन संबंधी लक्षणों को कम कर सकते हैं। जीरे की चाय अपने वातहर और ऐंठनरोधी गुणों के लिए जानी जाती है, इस चाय को बनाने के लिए जीरे को हल्का भून लें, उन्हें कुचल लें और एक कप पानी में मिला दें। ताज़गी के लिए इसमें नींबू की कुछ बूंदें निचोड़ें। जिससे पेट को काफी फायदा मिलता है।

गैस्ट्रिक समस्या

गैस्ट्रिक समस्याओं से सुरक्षित रहने के लिए स्वच्छता का ध्यान रखना सबसे महत्वपूर्ण है। खाने से पहले अपने हाथों को साबुन और पानी से अच्छी तरह से धोना जरूरी है। यह आदत बैक्टीरिया और वायरस के संक्रमण को रोक सकती है। इसके अलावा फलों-सब्जियों को खाने से पहले भी इसे अच्छी तरह से धो लें। अस्वच्छ पानी के कारण होने वाली पाचन संबंधित समस्याओं को कम करने के लिए पानी को उबालकर और छानकर ही पीना चाहिए।

मानसून का मौसम समाप्त होने वाला है और ठंडक का मौसम आने वाला है ऐसे मौसम परिवर्तन होने से शरीर में बीमारी होने का खतरा ज्यादा रहता है। इन दिनों में आपको सेहत को लेकर विशेषतौर पर सावधान रहने की आवश्यकता होती है। इस समय में मच्छरों के काटने से होने वाली बीमारियों का खतरा रहता ही है, साथ ही ये मौसम पाचन के लिए भी दिक्कतें बढ़ा देता है। बढ़ी हुई नमी हानिकारक बैक्टीरिया और वायरस को बढ़ाने वाली हो सकती है जिसके कारण गैस्ट्रिक समस्याओं का होना आम है। इन दिनों में खान-पान को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। भोजन-जल की अशुद्धता के कारण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती है। गैस्ट्रिक समस्याओं को कम करने और पेट को ठीक रखने में कुछ पेय (ड्रिंक्स) को भी लाभकारी माना जाता रहा है।

हंसना मना है

जज- क्या सबूत है कि जब एक्सीडेंट हुआ, तब तुम कार तेज नहीं चला रहे थे? कार चालक- साहब, मैं अपनी पत्नी को लेने ससुराल जा रहा था। जज- ओह, छोड़ दो इस मासूम को, ऐसे समय कोई भी गाड़ी तेज नहीं चला सकता।

दादी और पोता आपस में बात करते हुए, दादी-लगता है उस लड़की को लकवा हो गया है। देख कैसे उसका एक हाथ ऊपर हो रहा है और मुंह पिचका सा हो गया है। पोता- दादी लकवा नहीं, वह सेल्फी ले रही है।

यात्री- क्या मैं यहां एक सिगरेट पी सकता हूं? स्टेशन मास्टर- नहीं, यहां सिगरेट पीना सख्त मना है। यात्री- फिर यहां इतने सिगरेट के टुकड़े कैसे पड़े हैं? स्टेशन मास्टर- ये उन लोगों ने फेंके हैं, जो पूछते नहीं है।

दो आदमी शराब के नशे में धुत्त होकर रेल की पटरियों के बीचों-बीच जा रहे थे। पहला- हे भगवान, मैंने इतनी सीढ़ियां पहले कभी नहीं चढ़ीं, दूसरा- अरे सीढ़ियां तो ठीक हैं, मैं तो इस बात को लेकर हैरान हूं कि हाथ से पकड़ने के लिए रेलिंग कितने नीचे लगी हुई हैं।

कहानी | यज्ञ की सच्ची पूर्ण आहुति

एक बार युधिष्ठिर ने विधि-विधान से महायज्ञ का आयोजन किया। उसमें दूर-दूर से राजा-महाराजा और विद्वान आए। यज्ञ पूरा होने के बाद दूध और घी से आहुति दी गई, लेकिन फिर भी आकाश घंटियों की ध्वनि सुनाई नहीं पड़ी। क्योंकि जब तक घंटियां नहीं बजतीं, यज्ञ अपूर्ण माना जाता है। युधिष्ठिर को चिंता हुई। वह सोचने लगे कि आखिर यज्ञ में कौन सी कमी रह गई। उन्होंने भगवान कृष्ण से अपनी समस्या के बारे में बताया। श्री कृष्ण ने कहा, किसी गरीब, सच्चे और निश्छल हृदय वाले व्यक्ति को बुलाकर भोजन कराएं। जब उनकी आत्मा तृप्त होगी तब आकाश घंटियां अपने आप बज उठेंगी। श्री कृष्ण ने युधिष्ठिर को ऐसे एक व्यक्ति के बारे में बताया। तब धर्मराज स्वयं उसकी खोज में निकल पड़े। आखिरकार उन्हें उस निर्धन की कुटिया मिल गई। युधिष्ठिर ने अपना परिचय देते हुए उससे प्रार्थना की - बाबा, आप हमारे यहां भोजन करने की कृपा करें। पहले तो बाबा ने मना कर दिया लेकिन काफी प्रार्थना करने पर वह तैयार हो गये। युधिष्ठिर उन्हें लेकर यज्ञ स्थल पर आए। द्रौपदी ने अपने हाथ से स्वादिष्ट खाना बनाकर उन्हें खिलाया। भोजन करने के बाद उस व्यक्ति ने ज्यों ही संतुष्ट होकर डकार ली, आकाश की घंटियां गूंज उठीं। यज्ञ की सफलता से सब प्रसन्न हुए। युधिष्ठिर ने कृष्ण से पूछा- भगवन, इस निर्धन व्यक्ति में ऐसी कौन सी विशेषता है कि उनके खाने के बाद ही यज्ञ सफल हो सका। श्री कृष्ण ने कहा - धर्मराज, इस व्यक्ति में कोई विशेषता नहीं है, यह गरीब है। दरअसल आपने पहले जिन्हें भोजन कराया वे सब तृप्त थे। जो व्यक्ति पहले से तृप्त हैं, उन्हें भोजन कराना कोई विशेष उपलब्धि नहीं है। जो लोग अतृप्त हैं, जिन्हें सचमुच भोजन की जरूरत है, उन्हें खिलाने से उनकी आत्मा को जो संतोष मिलता है, वही सबसे बड़ा यज्ञ है। वही सच्ची आहुति है। आप ने जब एक अतृप्त व्यक्ति को भोजन कराया तभी देवता प्रसन्न हुए और सफलता की सूचक घंटियां बज गईं।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज दूरस्थ क्षेत्र की यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

वृषभ आज जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क आज शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रमाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें।

सिंह व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

कन्या आज अचानक अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

तुला आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी। थकान महसूस होगी।

वृश्चिक कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें।

धनु कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मकर अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कुम्भ आज कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें।

मीन आज भूमि-भवन का लाभ प्राप्त होगा। व्यावसायिक दुकान या फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

बॉलीवुड | सम्मान

मिथुन चक्रवर्ती को मिलेगा दादा साहब फाल्के पुरस्कार

दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। उन्हें दादा साहब फाल्के पुरस्कार दिया जा रहा है। इसका एलान ट्वीट करके केंद्री मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया है। मिथुन को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इस पुरस्कार समारोह का आयोजन 8 अक्तूबर 2024 को होगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट साझा कर लिखा, यह घोषणा करते हुए मुझे गर्व हो रहा है कि दादा साहब फाल्के चयन जूरी ने दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को भारतीय सिनेमा में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए यह पुरस्कार देने का फैसला किया है। 8 अक्टूबर को 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। ट्वीट के साथ लिखा है, मिथुन चक्रवर्ती की उल्लेखनीय सिनेमाई यात्रा पीढ़ियों को प्रेरित करती है। उन्हें यह सम्मान भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए दिया जा रहा है! अभिनेता के लिए इस प्रतिष्ठित अवॉर्ड का एलान होने पर उनके प्रशंसक बेहद खुश हैं। अभिनेता मिथुन न सिर्फ अभिनय, बल्कि एक्शन और डांसिंग में भी माहिर हैं। उन्होंने अलग-अलग भाषाओं- बंगाली, हिंदी, ओड़िया, भोजपुरी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और पंजाबी में कई शानदार फिल्में की हैं। उनकी बॉलीवुड डेब्यू फिल्म दो अंजाने थी। इस फिल्म में उनका बहुत छोटा रोल था। इसके बाद उन्होंने तेरे प्यार में, प्रेम विवाह, हम पांच, डिस्को डांसर, हम से है जमाना, घर एक मंदिर, अग्निपथ, तितली, गोलमाल 3, खिलाड़ी 786 और द ताशकंद फाइल्स में काम किया। अभिनय के अलावा मिथुन चक्रवर्ती ने मार्शल आर्ट की एक्सपर्ट ट्रेनिंग ली है और वह ब्लैक बेल्ट भी है। मिथुन 80 के दशक के लोकप्रिय अभिनेता रहे हैं। उन्होंने हिंदी फिल्मों में डांस को एक नई पहचान दी थी। एक दौर था जब फिल्म मिथुन के डांस से ही हिट हो जाती थी।

शाहरुख मेरे सबसे अच्छे दोस्त : अनन्या

अनन्या पांडे बॉलीवुड की उभरती हुई अदाकारा हैं। अब तक वह कई फिल्मों में अपनी खूबसूरती और अदाकारी का जलवा बिखेर चुकी हैं। शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान उनकी सबसे अच्छी दोस्त हैं। बचपन की यह दोस्ती अब तक मजबूती से कायम है। हमउम्र की होने की वजह से अनन्या और सुहाना के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग है। वहीं, उनके परिवार के लोगों के साथ भी अनन्या का मजबूत रिश्ता है। यह बात तो सभी को पता है कि गौरी खान, अनन्या की मां भावना पांडे , महीप कपूर बहुत अच्छी दोस्त हैं। यही वजह है कि उनकी बेटियों के बीच गहरी दोस्ती है। अनन्या, गौरी और शाहरुख खान दोनों के साथ एक प्यारा रिश्ता साझा करती है। हाल ही में इसकी झलक सोशल मीडिया पर देखने को मिली। दरअसल, अनन्या ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह शाहरुख खान के साथ नजर आ रही हैं। इन फोटोज में वह किंग खान के साथ अनन्या को साड़ी में पोज देते हुए देखा जा सकता है। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, तस्वीरों को पोस्ट करते ही इस पर लोगों की प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गईं। सुहाना खान ने अनन्या की तस्वीर पर कमेंट करते हुए लिखा, कितने प्यारे हैं..। अनन्या की मां भावना ने भी कमेंट बॉक्स में प्यार भरे इमोजी बनाए। प्रशंसकों ने भी इस तस्वीर पर अपना प्यार बरसाया है। एक यूजर ने लिखा, लव लव लव। इसके अलावा बहुत से लोग इस पोस्ट पर हार्ट इमोजी साझा कर अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो अनन्या को हाल ही में कॉल मी बे नाम की वेब सीरीज में देखा गया था। उनकी आगामी फिल्म का नाम कंट्रोल है, जिसका निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी ने किया है। यह फिल्म 4 अक्तूबर को सीधा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी।

बॉलीवुड | मसाला

बेटियों को पालने की कोई नोटबुक नहीं : ऐश्वर्या राय

अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन हाल ही में बेटी आराध्या के साथ अबू धाबी गई थीं। मां बेटी की इस जोड़ी को इस दौरान साथ में देखा गया था। इसके अलावा भी ऐश्वर्या अपनी बेटी के साथ नजर आती रहती हैं। दुबई में एक अवॉर्ड फंक्शन में मीडिया से बातचीत के दौरान ऐश्वर्या राय बच्चन से पूछा गया कि बेटी की मां होने के नाते लोगों को क्या ध्यान रखना चाहिए। मीडिया रिपोर्टर भी एक बेटी की मां थी इसलिए उन्होंने बेटी के पालन पोषण से जुड़ी कुछ राय और टिप्स जानने के लिए सवाल किया। ऐश्वर्या ने कहा कि आप खुद एक मां हैं और इस बारे में बेहतर जानती हैं। हम सभी इंसान हैं, हमें एक दूसरे को बैठकर कुछ भी सलाह नहीं देनी चाहिए। इसके लिए कोई नोटबुक कोई रूल बुक नहीं है, जिसके साथ हम पैदा हुए हैं, इसलिए आप अपनी बेटी के साथ अपने तरीके से रहिए आपसे अच्छा आपकी बेटी के लिए कोई नहीं सोच सकता है। बहुत सारा आशीर्वाद और प्यार। ऐश्वर्या से जब कहा गया कि वह सबसे अच्छी बातें सीख रही हैं, क्योंकि वो हमेशा आपके साथ रहती हैं। इस पर ऐश्वर्या ने कहा, वो मेरी बेटी है, मेरे साथ ही रहेगी। बता दें कि ऐश्वर्या इस अवॉर्ड शो में अपनी बेटी के साथ पहुंची थीं। वहीं, अभिषेक बच्चन इन दिनों हाउसफुल 5 के लिए शूटिंग कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्टर ने मांगे थे बेटी के पोषण के लिए कुछ टिप्स

बिल्ली जितनी बड़ी होती है ये गिलहरी 20 फुट तक लगा लेती है छलांग

क्या आपने कभी बिल्ली के आकार की गिलहरी देखी है? दिलचस्प बात ये है कि इसके लिए आप को देश से बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी। यह भारत में ही देखने को मिल जाएगी। भारतीय विशाल गिलहरी को मालाबार विशाल गिलहरी के नाम से भी जाना जाता है। भारत के जंगलों में पाया जाने वाला यह रंग-बिरंगा जीव अपनी झाड़ीदार पूंछ सहित 3 फीट तक लंबा हो सकता है। मैरून, बैंगनी और नारंगी रंग के फर देख कर ऐसा लगता है कि यह किसी परी कथा से निकलकर आया है। भारतीय विशाल गिलहरी दुनिया की सबसे बड़ी पेड़ गिलहरियों में से एक है। वे अपना अधिकांश जीवन पेड़ों पर बिताती हैं, शायद ही कभी ज़मीन पर उतरती हैं। उनके आहार में मुख्य रूप से फल, मेवे, फूल और पेड़ की छाल शामिल हैं। वे पत्तियों और टहनियों से बड़े, गोलाकार घोंसले बनाती हैं, जो आमतौर पर छतरी के ऊपर होते हैं। भारतीय विशाल गिलहरी ने अपने वन आवास में पनपने के लिए खुद को ढालने वाले कई अनोखे व्यवहार विकसित किए हैं। ये गुण इसे जंगल में जीवित रहने और पनपने में मदद करते हैं। उनके पास मजबूत, तीखे पंजे होते हैं जिससे वे पेड़ों पर आसानी से चढ़ पाते हैं। उनकी लंबी, झाड़ीदार पूंछ उन्हें पेड़ों की चोटी पर चलते समय संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। उनमें गंध की तीव्र भावना होती है, जो उन्हें भोजन खोजने में मदद करती है। उनके बड़े कान अलग-अलग दिशाओं से आने वाली आवाज़ों को पहचानने के लिए घूम सकते हैं। एक दूसरे से कई तरह की आवाजों और पूंछ की हरकतों के जरिए संवाद करती हैं। वे जरूरत पड़ने पर तैर भी सकती हैं, भारतीय विशाल गिलहरी एकांतप्रिय जानवर हैं, जो संभोग के मौसम को छोड़कर अकेले रहना पसंद करते हैं। ये पेड़ की शाखाओं पर धूप सेंकने के लिए जानी जाती हैं, गर्मी को सोखने के लिए अपने अंगों को फैलाती हैं। वे अपनी अविश्वसनीय छलांग लगाने की क्षमता के लिए जानी जाती हैं, जो पेड़ों के बीच 20 फीट तक कूद सकती हैं।

अजब-गजब | इस आइलैंड पर खाने की है अलग परंपरा

यहां खाने में मिट्टी डालकर खाते हैं लोग

खाने पीने के मामले में दुनिया के अलग-अलग देशों में भिन्न भिन्न प्रकार के व्यंजन बनाए जाते हैं। लेकिन इन व्यंजनों को बनाने के लिए मसालों का इस्तेमाल जरूर किया जाता है। क्योंकि बिना मसालों के खाने में किसी भी प्रकार का स्वाद नहीं आता। आज हम आपको दुनिया के एक ऐसे स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां के लोग खाने में मसालों की जगह मिट्टी का इस्तेमाल करते हैं। क्योंकि यहां की मिट्टी बेहद स्वादिष्ट होती है और इसके साथ ही सेहतमंद भी। इसलिए लोग मिट्टी को खाने में मसाले की तरह इस्तेमाल करते हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं ईरान के होरमूज आइलैंड की। इस आइलैंड पर रहने वाले लोग मसालों की जगह मिट्टी का खाने में इस्तेमाल करते हैं। बता दें कि खूबसूरत पहाड़ों की वजह से यह आईलैंड वहां के लोगों के लिए बेहद खास है। लेकिन इन पहाड़ों की सबसे खास बात है कि यहां की मिट्टी रंग बिरंगी है जिसकी वजह से इस आईलैंड को रैनबो आईलैंड के नाम से भी जाना जाता है। ईरान के इस आईलैंड के खूबसूरत रंग-बिरंगे पहाड़ों की तस्वीरें कई बार सोशल मीडिया में आ चुकी हैं। जिन्हें देखकर यकीनन आप हैरान रह जाएंगे और सोच में पड़ जाएंगे कि आखिर मिट्टी इतनी खूबसूरत कैसे हो सकती है। आपने भी शायद पहली ही बार सुना होगा कि ईरान के इन खूबसूरत पहाड़ों की मिट्टी मसाले की तरह खाई जाती है। यही नहीं यहां पर आने वाले पर्यटक भी इन पहाड़ों की मिट्टी का स्वाद लेना नहीं भूलते। हालांकि पहले तो वह मिट्टी खाने से कतराते हैं, लेकिन जब उनका गाइड उन्हें मिट्टी खाने की सलाह देता है तो वह शौक से उसे खाते हैं और दंग रह जाते हैं। बता दें कि यह खूबसूरत आईलैंड फारस की खाड़ी में स्थित है और यहां की मिट्टी में भरपूर खनिज हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यहां की मिट्टी में बहुत ज्यादा आयरन और लगभग 70 तरह के खनिज पाए जाते हैं। यही नहीं यहां के पहाड़ों पर नमक के टीले भी मौजूद हैं। इन पहाड़ों पर शेल, मिट्टी और आयरन की परतें जमी हुई हैं। जिसकी वजह से पहाड़ रंग बिरंगे नजर आते हैं। ब्रिटेन के जियोलॉजीकल रिसर्च की चीफ भूवैज्ञानिक डॉ. कैथरीन गुडइनफ के मुताबिक, करोड़ों साल पहले फारस की खाड़ी के पास स्थित उथले सागरों में नमक की मोटी परत जम गई थी। इसके बाद से इसके ऊपर नई परतें जमा होती गईं। जिससे इस आइलैंड की मिट्टी खूबसूरत हो गई।

यौन शोषण के बाद दबंग बाबुओं पर हत्या का आरोप

पीड़ित महिलाकर्मी की कोविड के दौरान हुई थी मौत

» पीडब्ल्यूडी मे कार्यरत थी महिला कर्मी, मौत की जांच करेगी एसआईटी

» विधायक व विप सदस्य ने भी की थी सीएम से शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीडब्ल्यूडी में दबंग कर्मचारियों की दबंगई का शिकार हो रही महिला कर्मियों को न्याय दिलाने के लिए कर्मचारी संगठन ने मुख्यमंत्री व प्रमुख सचिव लोक निर्माण से मांग की है। संगठन के समर्थन में भाजपा के विधायक अनिल सिंह व विधान परिषद सदस्य विक्रांत सिंह ने भी सीएम योगी को पत्र भेजकर दबंगों खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उधर पुलिस ने कोविड के दौरान हुई एक महिला कर्मी की मौत की जांच राज्य विशेष जांच दल (स्टेट एसआईटी) को सौंपे जाने की बाम कही है।

दरअसल, मामला कोविड के दौरान लोक निमार्ण विभाग में कार्यरत एक महिला कर्मचारी की मौत से जुड़ा हुआ है। कर्मचारी संगठन से जुड़े लोगों का कहना है कि उक्त महिलाकर्मी की मौत स्वावभावित्रक नहीं थी उसकी मौत लगातार यौन शोषण की वजह से हुई थी। उनका कहा है कि विभाग के दंबग कर्मियों ने ही उसकी हत्या कर दी क्योंकि शोषण के चलते वह गर्भवती हो गई थी।

पुलिस से जांच कराने पर सहमति

प्रकरण में विभागीय कर्मचारी यूनियनों के पदाधिकारियों पर यौन शोषण के बाद हत्या का आरोप है। शुरुआती जांच में महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने के बाद उच्च स्तर पर पुलिस से जांच कराने पर सहमति बन चुकी है।

आरोपी कर्मचारी मुख्यालय से हटाए जाएंगे

शीघ्र ही आरोपी कर्मचारी सुनील यादव, ओमप्रकाश व शिवकुमार यादव को मुख्यालय से बाहर भेजे जाने की प्रक्रिया की जाएगी। मामले की जांच पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता 11वें वृत्त की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय समिति को सौंपी गई थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि प्रकरण आपराधिक प्रकृति का होने से विभाग स्तर से इतर उच्चस्तरीय स्वतंत्र एजेंसी या पुलिस विभाग को भेजने पर विचार किया जा सकता है। शासन के उच्चपदस्थ सूत्रों के मुताबिक, समिति की संस्तुति को देखते हुए प्रकरण शीघ्र ही स्टेट एसआईटी को भेज दिया जाएगा। आरोपी कर्मचारियों की संपति की जांच भी कराने पर विचार किया जा रहा है। जांच प्रक्रिया पूरी होने पर आरोपी कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तय मानी जा रही है।

बाबू ने करवाया था गर्भपात

वर्ष 2020 में पीडब्ल्यूडी में तैनात एक महिला कर्मी की मौत हो गई थी। तब इसे कोविड से स्वाभाविक मौत बताते हुए अंतिम संस्कार कर दिया गया था। इस बीच पीडब्ल्यूडी के उच्चाधिकारियों से लिखित शिकायत की गई कि महिला कर्मी की स्वाभाविक मौत नहीं हुई थी। विभाग के ही दो बाबुओं ने उसका यौन शोषण किया था। इससे वह गर्भवती हो गई। जब महिला उनमें से एक बाबू पर शादी के लिए दबाव बनाने लगी तो गर्भपात करा दिया गया। इसके बाद संघ कार्यालय ले जाकर उसे बिजली का करंट भी दिया गया। इस प्रताड़ना से उसकी मौत हो गई। मामले में पीडब्ल्यूडी के कर्मचारी यूनियनों के तीन पदाधिकारियों को आरोपी बनाया गया है।

पुलिस मुठभेड़ में युवती के हत्यारे गिरफ्तार

» आरोपियों ने दुष्कर्म के बाद की थी युवती की हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर पुलिस इस समय अपराधियों के प्रति पूरी सख्ती से पेश आ रही है, नतीजा अपराधियों में खलबली का माहौल है। मामला जिले के थाना गोसाईगंज क्षेत्र का है, जहां कुछ दिनों पहले एक युवती का शव मिला था। पुलिस जांच में शव की पहचान प्रियंका के रूप में हुई जो कादीपुर के पास की रहने वाली थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला उसकी हत्या गला दबाकर की गयी हैं, और जांच में चार हत्यारों के नाम प्रकाश में आये, जो सलमान, शहंशाह, सरवर और जावेद हैं।

पहले ही गिरफ्तार शहंशाह ने पूछताछ में बताया मुख्य आरोपी सलमान को मृतका प्रियंका पहले से जानती थी और उसके साथ मुंबई भी गयी थी। सलमान ने उससे शादी का वादा किया था, बाद में मुकर गया जिससे दोनों में विवाद हुआ। जेल जाने के डर से सलमान ने दोस्तों के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। उसके बाद आरोपी फरार चल रहे थे। अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि सूचना मिली की अखंडनगर थाना क्षेत्र में सभी छुपे हैं, पुलिस ने घेराबंदी की तो हत्याआरोपियों ने पुलिस टीम पर फायर की, जवाबी फायर में बदमाशों के पैर में लगी गोली और गिरफ्तार किया गया।

रेल प्रशासन की गलती से टूटी पटरी पर दौड़ी केरल एक्सप्रेस

» बड़ा हादसा होते-होते बचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवंतपुरम। तिरुवंतपुरम से चलकर नई दिल्ली जाने वाली केरला एक्सप्रेस बड़े हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बची है। रेल प्रशासन की गलती के चलते ट्रेन को ललितपुर के पास टूटी पटरी पर दौड़ा दिया गया। काम कर रेलकर्मियों ने रोकने के लिए लाल झंडी दिखाई तब तक ट्रेन के तीन कोच आगे निकल गए थे। इसके बाद ट्रेन के झांसी पहुंचने पर ट्रेन में मौजूद यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। जानकारी के मुताबिक एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 10 घंटे देरी से चल रही थी और इस दौरान वह दैलवारा से ललितपुर के बीच ट्रैक से क्रॉस कर रही थी लेकिन उसी वक्त रेलकर्मी ट्रैक की मरम्मत का भी काम कर रहे थे।

ऐसे में ट्रेन तेज गति से वहां आ गई।

रेलकर्मियों ने लाल झंडी दिखाकर ट्रेन को रोकने की कोशिश की थी लेकिन ट्रेन रुकी नहीं। इसके बाद रेलकर्मी ट्रैक छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, जब ट्रेन के ड्राइवर की नजर लाल झंडी पर पड़ी तो उसने इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए लेकिन तबतक ट्रेन के तीन कोच टूटी हुई पटरी से आगे निकल चुके थे। एकाएक लगे ब्रेक के चलते ट्रेन में जोरदार झटका लगा, जिससे यात्रियों में चीख पुकार मच गई।

गोल्ड मेडल पाकर चहके छात्राओं के चेहरे

» हाईस्कूल बोर्ड की परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने पर तारा स्मारक समिति ने किया सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी तारा अरोरा स्मारक समिति ,लखनऊ की ओर से सृजन- विहार (निकट सहारा शहर) गोमती नगर स्थित समर्थ फ़ाउंडेशन में निशुल्क कोचिंग प्राप्त कर रहे एवं वर्ष 2024 में कक्षा 8 से 10 तक में उच्च अंक प्राप्त करने वाले संसाधनविहीन मेधावी बच्चों तारा अरोरा स्मारक समिति लखनऊ की ओर नकद पुरस्कार व प्रशस्ति-पत्र दिए गए जिन्हें पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे।

वर्ष 2024 में हाईस्कूल की यू.पी. बोर्ड की परीक्षा में 83 प्रतिशत द के साथ गोल्ड कलर मेडल - व 65 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली लक्ष्मी मिश्रा को 1000/- नकद व रजत कलर मेडल के साथ तारा अरोरा

स्मृति सम्मान एवं श्याम बिहारी अरोरा स्मृति सम्मान से नवाजा गया। साथ ही वर्ष 2024 में कक्षा 9 व 8 की फाइनल परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त करने वाली क्षात्राओं अंशि कश्यप व दिव्या साहू दोनों को क्रमशः 1000 का नकद सुरेश अरोरा स्मृति पुरस्कार एवं सुभाष अरोरा स्मृति पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त इन सभी बच्चों को समिति की ओर से प्रशस्ति- पत्र भी दिए गए। सभी पुरस्कार तारा अरोरा स्मारक समिति के अध्यक्ष व सुप्रसिद्ध साहित्यकार राजेश अरोरा शलभ एवं समर्थ फ़ाउन्डेशन की प्रबंध निदेशक दिव्या शुक्ला द्वारा प्रदान किए गए। साथ ही शलभ ने इन बच्चों को अपनी हास्य रचनाओं की एक-एक पुस्तक भी भेंट की। इस अवसर पर फाउन्डेशन में कोचिंग प्राप्त कर रहे संसाधनविहीन और जरूरतमंद बच्चों के अभिभावकों के लिए वस्त्र भी वितरित किए गए।

मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने मोहा मन

इस वार्षिक सम्मान समारोह में समर्थ फ़ाउंडेशन के बच्चों द्वारा कुछ मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्र म भी प्रस्तुत किए गए ,जिसे समर्थ फ़ाउन्डेशन के कोचिंग स्टॉफ़ के मार्गदर्शन में तैयार कराया गया था । इन बच्चों को भी समिति की ओर से प्रशस्ति- पत्र दिए गए। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कवि व गायक राजेश शलभ और दिव्या शुक्ला ने पुरस्कृत बच्चों को बधाई देते हुए अन्य बच्चों से अगले वर्ष और मेहनत व लगन से पढ़ने तथा अधिक से अधिक अंक लाने पर ज़ोर दिया ताकि वे भी भविष्य में इन पुरस्कारों के हक़दार बन सकें ।

इलेक्टोरल बॉन्ड वसूली मामले में सीतारमण को राहत

» हाई कोर्ट ने जांच पर लगाई रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक हाई कोर्ट ने चुनावी बांड योजना मामले में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बड़ी राहत दी है। पहले उनके खिलाफ चुनावी बांड वसूली मामले में एक एफआईआर दर्ज की गई थी, अब हाई कोर्ट ने मामले पर 22 अक्टूबर तक रोक लगा दी है। कर्नाटक बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष नलिन कुमार कतील ने निचली अदालत के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए, कर्नाटक हाई कोर्ट ने कर्नाटक के पूर्व राज्य भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कतील के खिलाफ दर्ज एफआईआर में 22 अक्टूबर तक आगे की जांच पर रोक लगा दी, जो उस मामले में सह-अभियुक्त हैं, जिसमें केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण को बनाया गया है। उन पर चुनावी बांड की आड़ में कुछ कंपनियों से पैसे वसूलने का आरोप है। कांग्रेस ने रद्द हो चुकी चुनावी बॉण्ड योजना से जुड़ी एक शिकायत पर निर्मला सीतारमण और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोला था और केंद्रीय वित्त मंत्री के इस्तीफे तथा अदालत की निगरानी में निष्पक्ष जांच की मांग की थी।

भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के खिलाफ समन जारी किया जाएगा : सिंघवी

कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश के साथ यहां संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि उनकी पार्टी को उम्मीद है कि न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से इस भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के खिलाफ समन जारी किया जाएगा, उनके बयान दर्ज किए जाएंगे और उसके आधार पर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

सिद्धारमैया के खिलाफ ईडी दर्ज कर सकता है केस

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की मुसीबत लगातार बढ़ती जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) से संबंधित धन-शोधन मामले में सिद्धारमैया के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने की उम्मीद है। आधिकारिक सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। यह मामला बेंगलुरु की एक विशेष अदालत के निर्देश के बाद राज्य की लोकायुक्त पुलिस द्वारा 27 सितंबर को सिद्धारमैया और कई अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बाद आया है। ईडी धन शोधन के एक मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मामला दर्ज कर सकता है। एफआईआर में सिद्धारमैया, उनकी पत्नी बीएम पार्वती, उनके बहनोई मल्लिकार्जुन स्वामी और देवराजू का नाम है, जिनसे स्वामी ने जमीन खरीदी थी जो बाद में पार्वती को उपहार में दे दी गई थी। अदालत ने लोकायुक्त पुलिस को मुडा से जुड़े भूमि लेनदेन के आरोपों की जांच करने का आदेश दिया था।

युवा तोड़ेंगे पीएम मोदी का अहंकार : राहुल गांधी

बोले- बीजेपी सरकार ने देश को फंसा दिया, हरियाणा में चुनाव प्रचार में आई तेजी, कांग्रेस व भाजपा में वार-पलटवार जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंबाला/कुरुक्षेत्र (हरियाणा)। हरियाणा में 5 अकटूबर को चुनाव होने वाले हैं। वहां पर चुनाव प्रचार में तेजी आ गई है। भाजपा अपनी सत्ता को बचाने और कांग्रेस उसको उखड़ फेंकने को बेताब है। इसी सिलसिले में कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मोर्चा संभाल लिया है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्र सरकार और भाजपा पर हमला बोला। बहन प्रियंका गांधी के साथ विजय संकल्प यात्रा पर निकले राहुल ने पहले दिन नारायणगढ़ और थानेसर की जनसभा में कहा कि मोदी सरकार ने देश को फंसाने के लिए महाभारत की तरह चक्रव्यूह रचा है। इस चक्रव्यूह को रचने वालों में 6 लोग नरेंद्र मोदी, अमित शाह, अदाणी, अंबानी, अजीत डोभाल व मोहन भागवत शामिल हैं। लेकिन हरियाणा का युवा अभिमन्यु नहीं अर्जुन है, जो इस चक्रव्यूह को तोड़ देगा। राहुल गांधी लोगों को जातिगत जनगणना का गणित समझाकर पिछड़े और दलित वोट बैंक को साधते दिखे। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना कराकर हम देखना चाहते हैं कि किस जाति के कितने लोग हैं और उनको कितना हक मिल रहा है। राहुल ने कहा कि भाजपा ने अग्निवीर के नाम पर फौजियों की पक्की नौकरी और पेंशन छीन ली। रैली में वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल भी शामिल हुए। राहुल और प्रियंका गांधी की यात्रा का यमुनानगर के सढौरा, मुलाना विधानसभा में दो सड़का और अंबाला के साहा में स्वागत किया गया। राहुल ने दो सड़का में लोगों को संबोधित भी किया।

सैलजा को सीएम उम्मीदवार घोषित करके दिखाएं राहुल: स्मृति ईरानी

हरियाणा के रोहतक में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का कहना है कि कांग्रेस दलित व ओबीसी विरोधी है। राहुल गांधी में हिम्मत है तो कुमारी सैलजा को मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित करके दिखाएं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा व कुमारी सैलजा का हाथ तो मिलवा दिया, लेकिन दिल मिले क्या? यह सब मजबूरी का मिलाप है। ईरानी रोहतक स्थित भाजपा के प्रदेश मीडिया केंद्र में पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। एक सवाल के जवाब में ईरानी ने कहा, अगर कांग्रेस दलित हितैषी है तो कुमारी सैलजा को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार क्यों नहीं घोषित करती? राहुल गांधी के सैलजा और हुड्डा के हाथ मिलवाए जाने से संबंधित पूछे गए सवाल पर कहा, फोटो के लिए हाथ मिला लेने से उनके दिल नहीं मिल सकते।

दुष्यंत और चंद्रशेखर के काफिले पर हमला

हरियाणा के जींद जिले के उचाना विधानसभा हलके में बीती रात चुनाव प्रचार के दौरान हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला और उत्तर प्रदेश के सांसद चंद्रशेखर रावण की गाड़ी पर अज्ञात युवकों ने हमला कर दिया। युवकों ने हंगामा करते हुए गाड़ी पर पत्थर फेंका और ध्यान भटकाने के लिए धूल मिट्टी भी उड़ाई। घटना की सूचना मिलते ही जब पुलिस मौके पर पहुंची तो दुष्यंत चौटाला और पुलिस के बीच जमकर बहस भी हो गई। इस वजह से कई घंटों तक यहां हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा। बता दें कि उचाना में दुष्यंत चौटाला जेजेपी प्रत्याशी हैं और चंद्रशेखर उनके समर्थन में रोड शो करने आए थे। देर शाम को इनका काफिला उचाना कलां गांव में पहुंचा था। दुष्यंत और चंद्रशेखर रथ पर आगे चल रहे थे, इनकी कारें पीछे काफिले में थी। इसी दौरान कुछ युवकों ने हूटिंग करते हुए गाड़ी पर पत्थर मार दिए जिससे चंद्रशेखर की गाड़ी का पिछला शीशा टूट गया।

आय से अधिक संपत्ति मामले में जल निगम अफसरों के ठिकानों पर छापा

» विजिलेंस टीम की चल रही है बड़ी कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी जल निगम की इकाई सी एंड डी एस के अफसरों के ठिकानों पर विजिलेंस टीम ने की छापेमारी। 5 अधिकारियों के ठिकानों पर एक साथ पहुंची विजिलेंस की टीम। सी एंड डी एस (कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज) के अफसरों के ठिकानों पर छापा।

सहायक अभियंता/ प्रोजेक्ट मैनेजर राघवेन्द्र कुमार गुप्ता, अधीक्षण अभियंता (मु.) सत्यवीर सिंह चौहान, अधीक्षण अभियंता अजय रस्तोगी,परियोजना प्रबंधक/सहायक अभियंता कमल कुमार खरबन्दा और सहायक अभियंता/प्रोजेक्ट मैनेजर कृष्ण कुमार पटेल के ठिकानों पर चल रही छापेमारी। आय से अधिक संपत्ति मामले में हो रही छापेमारी।

आय से अधिक संपत्ति मामले में अब तक 11 मामले हो चुके हैं दर्ज। अब विजिलेंस की टीम अफसरों के घर और ठिकानों पर छापेमारी करने पहुंची है। इंदिरानगर, गोमतीनगर और विकासनगर में चल रही विजिलेंस के अफसरों की रेड।

जम्मू-कश्मीर विस चुनाव के अंतिम चरण में उमड़ी भीड़

बारामूला में धीमा व उधमपुर में रिकॉर्ड मतदान, 40 सीटों पर 415 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के आखिरी चरण का मतदान जारी है। तीसरे चरण में 40 सीटों पर 415 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। तीसरे चरण का चुनाव ही तय करेगा कि जम्मू-कश्मीर में किसकी सरकार बनेगी।

इस चरण में करीब करीब 39 लाख से अधिक मतदाता वोट डालेंगे। तीसरे दौर में सबसे ज्यादा 11 सीटें जम्मू जिले में हैं। इसके बाद बारामुला में सात, कुपवाड़ा और कठुआ की छह-छह, उधमपुर की चार और बांदीपोरा और सांबा की तीन-तीन विधानसभा सीटें हैं, जहां मंगलवार को मतदान है। उधर सुबह से धीमा शुरू हुआ मतदान शाम होते-होते तेजी में बदल गया। चुनाव आयोग के मुताबिक, सुबह 11 बजे तक 28.12 फीसदी लोगों ने अपने-अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया है। सबसे ज्यादा मतदान उधमपुर में 33.84 फीसदी रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा मतदान की सबसे धीमी रफ्तार बारामूला में 23.20 फीसदी दर्ज की गई। इससे पहले 25 सितंबर को दूसरे चरण में जम्मू कश्मीर के छह जिलों में 57.31 फीसदी मतदान हुआ था। वहीं 18 सितंबर को हुए पहले चरण में 61.38 फीसदी मतदान हुआ था।

हमारी पहचान को वापस दिया जाना चाहिए : अबरार

बारामूला के सांसद राशिद इंजीनियर के बेटे अबरार ने कहा कि 10 साल बाद जो चुनाव हो रहा है, वह बहुत बड़ी बात है। हमें अपना प्रतिनिधि चुनने का मौका मिल रहा है। अबरार ने कहा कि हमारी पहचान जो हमसे छीन ली गई है, उसे वापस दिया जाना चाहिए, चाहे वह धारा 370 हो या 35ए, उसे बहाल किया जाना चाहिए क्योंकि यह हमारा अधिकार है।

पोलिंग बूथ के बाहर लोगों की लंबी कतारें

पोलिंग बूथ के बाहर लोगों की लंबी कतारें लग रही हैं। पाकिस्तान बॉर्डर के पास वाली सीटों पर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। तीसरे चरण के लिए जम्मू संभाग के चार जिलों जम्मू, सांबा, ऊधमपुर और कठुआ और कश्मीर के तीन जिलों बांडीपोरा, बारामुला और कुपवाड़ा जिले की 16 सीटों पर मतदान हो रहा है। तीसरे चरण के चुनाव में वोट डालने के बाद उत्साहित बुजुर्ग मतदाताओं ने कहा कि उन्होंने अपने युवाओं के उज्जवल भविष्य के लिए वोट किया।

भाजपा, कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस व पीडीपी में मुकाबला

जम्मू कश्मीर में मुख्य मुकाबला भाजपा, कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस (गठबंधन), पीडीपी के बीच माना जा रहा है। भाजपा ने जम्मू में जहां सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। वहीं, दूसरी ओर कश्मीर में कुछ ही सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। महबूबा मुफ्ती की पीडीपी दोनों क्षेत्रों में चुनाव लड़ रही है। इसके अलावा अन्य छोटे दलों ने भी मुकाबले को दिलचस्प बनाने की कोशिश की है।

कानून सभी धर्मों के लिए एक समान : सुप्रीम कोर्ट

» शीर्ष अदालत बोली- कोई भी संरचना सड़क के बीच बाधा नहीं बन सकती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा सर्वोपरि है और सड़कों या रेलवे पटरियों पर अतिक्रमण करने वाली किसी भी धार्मिक संरचना को हटा दिया जाना चाहिए, चाहे वह मंदिर हो या दरगाह। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और बुलडोजर कार्रवाई और अतिक्रमण विरोधी अभियानों पर उसके निर्देश किसी भी धर्म के लोगों के लिए होंगे।

सुप्रीम कोर्ट अपराधों के आरोपी लोगों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कार्यवाही के दौरान उत्तर प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश राज्यों का प्रतिनिधित्व किया। यह पूछे जाने पर कि क्या आपराधिक मामले में आरोपी होने के कारण बुलडोजर कार्रवाई का सामना करना उचित हो सकता है, मेहता ने दृढ़ता से कहा, नहीं, बिल्कुल नहीं, उन्होंने जोर देकर कहा कि बलात्कार या आतंकवाद जैसे गंभीर आरोपों के लिए भी ऐसे कदम नहीं उठाए जाने चाहिए।

बुलडोजर पर अंतरिम रोक वाला फैसला जारी, सुनवाई पर फैसला सुरक्षित रखा

विध्वंस से पहले अग्रिम सूचना देना जरूरी

विध्वंस से पहले अग्रिम सूचना प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया, सुझाव दिया कि नोटिस पंजीकृत डाक के माध्यम से भेजा जाना चाहिए, जैसा कि विभिन्न नगरपालिका कानूनों द्वारा अनिवार्य है। पीठ ने नगर निगम के नियमों और पंचायतों के नियमों के बीच विसंगतियों पर ध्यान दिया, पारदर्शिता और रिकॉर्ड रखने को सुनिश्चित करने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल की स्थापना की वकालत की, जिससे जनता को विध्वंस आदेशों के बारे में सूचित रहने की अनुमति मिल सके।

अगर तोड़फोड़ अवैध पाई गई तो संपत्ति को वापस करना होगा

देशभर में चल रहे बुलडोजर एक्शन के खिलाफ जमीयत उलेमा ए हिंद की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने आज सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रखा लिया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा देश भर में तोड़फोड़ पर गाइडलाइन बनाएंगे। तब तक बुलडोजर पर अंतरिम रोक वाला फैसला जारी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन अदालत की अवमानना माना जाएगा। अगर तोड़फोड़ अवैध पाई गई तो संपत्ति को वापस करना होगा।

न्यायिक निगरानी होनी चाहिए : जस्टिस विश्वनाथन

जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि इसके लिए कुछ समाधान तो खोजना ही होगा, कुछ न्यायिक निगरानी होनी चाहिए। कानून किसी खास धर्म के लिए नहीं है। इस मामले में जो भी नियम बनाए जाएं, उन्हें पूरे भारत में लागू किया जाना चाहिए?

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।